

DPN 6315

Title : महादीप द्योयके विधि व वास्तुबलि विधि / MAHĀDĪPA CHOYAKE
(Together with VĀSTUCAKRA) VIDHI VA VĀSTUBALI-
VIDHI

Run. No. 7006

Cat. No. 8

Micro. No.

Subject तान्त्रिक कर्मकाण्ड

Tantrika Rikula

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.-New. / Maith.-New. / New.-Nep. /

Size in cms. 10 x 5.8

Folios 25

Lines (in a page) 5

✓ Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

राजेन्द्र श्रेष्ठ

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

- ① महादीप द्योयके विधि ॥ इति महादीपविधि
- ② एवं वास्तुबलि विधि ॥



5-11-11
5-11-11

0 9 9 0 0 - 13

9-11-11
11-11-11
11-11-11
11-11-11
11-11-11
11-11-11
11-11-11

15

10

5

0

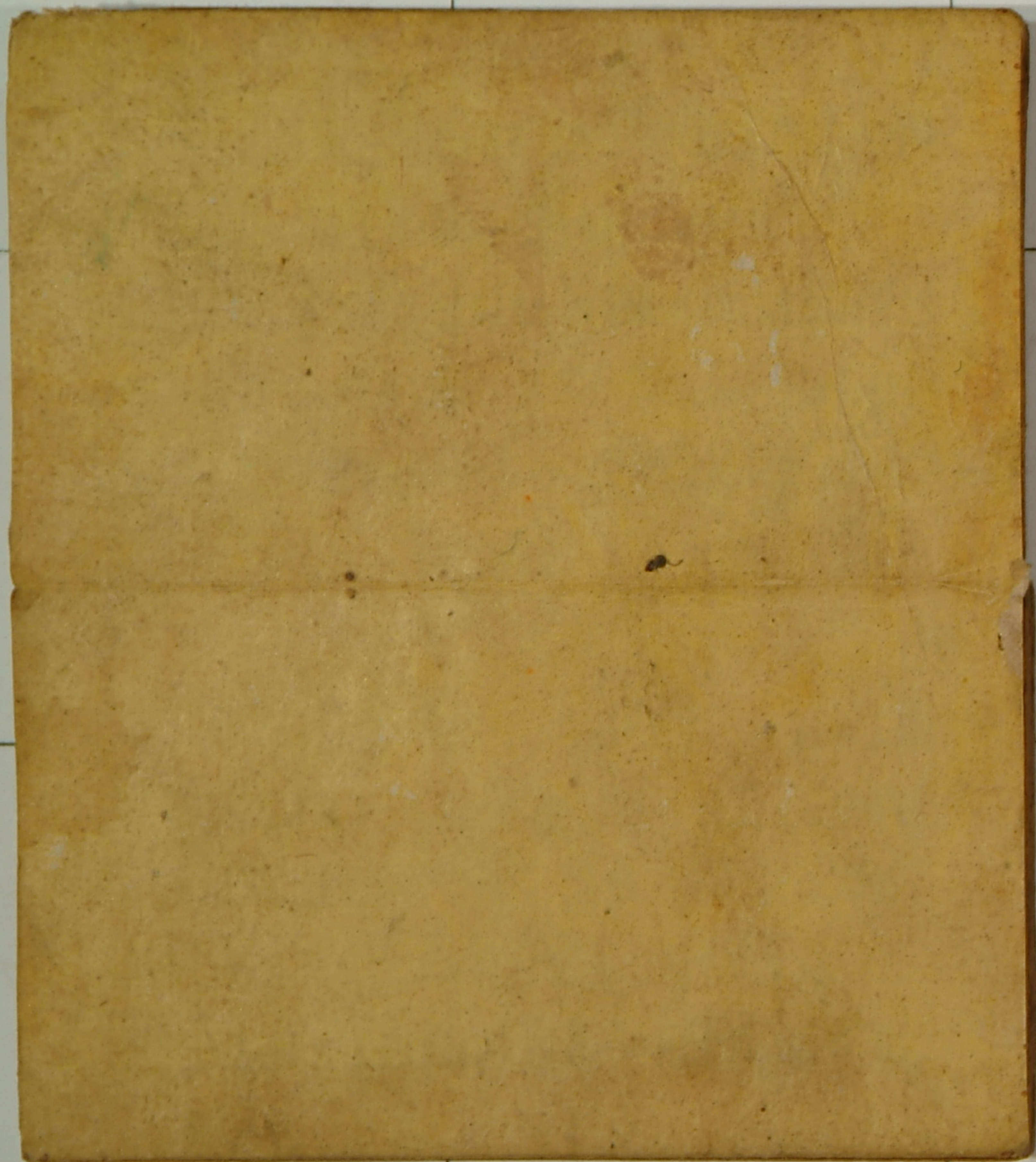
5

10

15

20

25



15

10

5

0

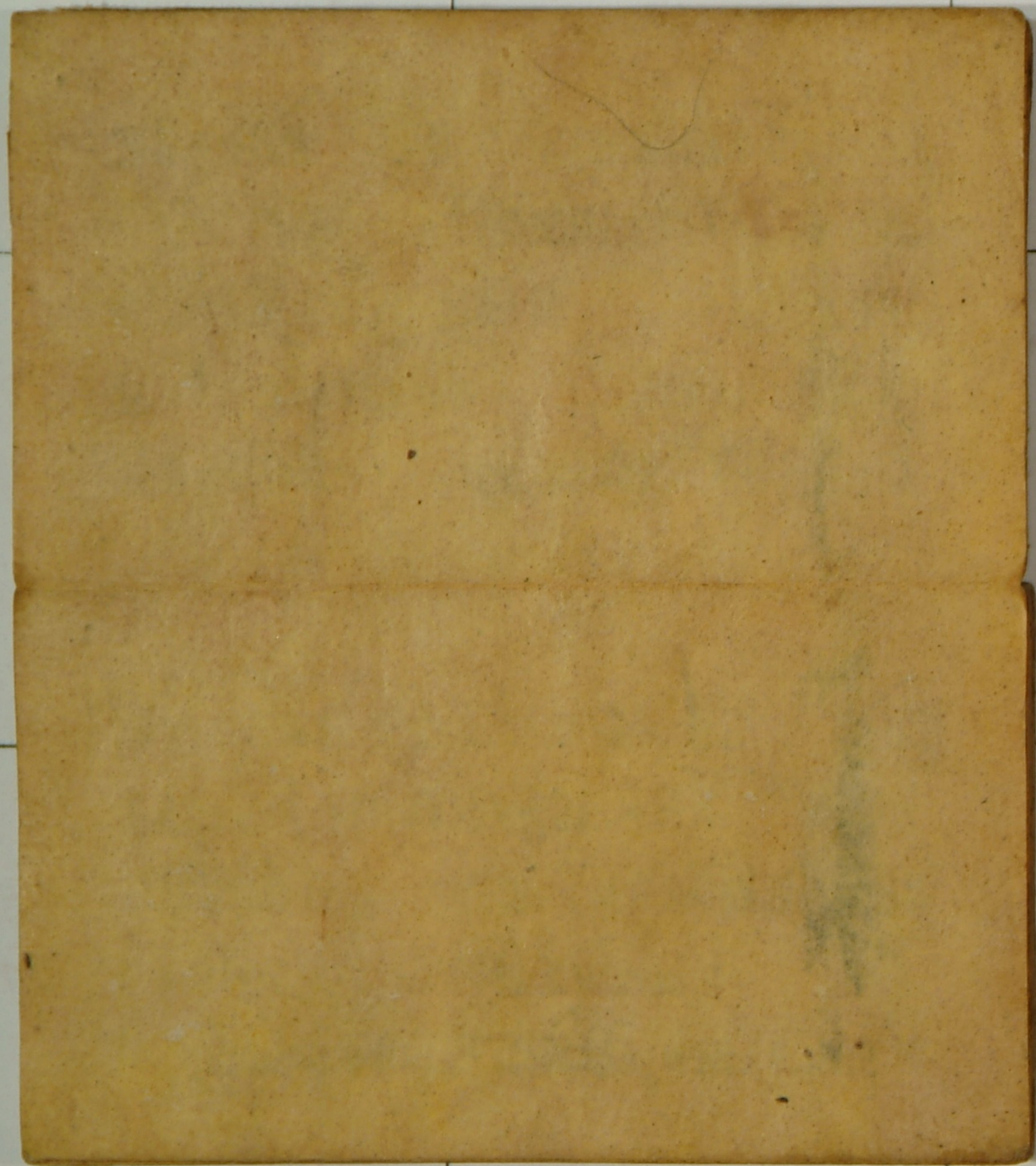
5

10

15

20

25



15

10

5

0

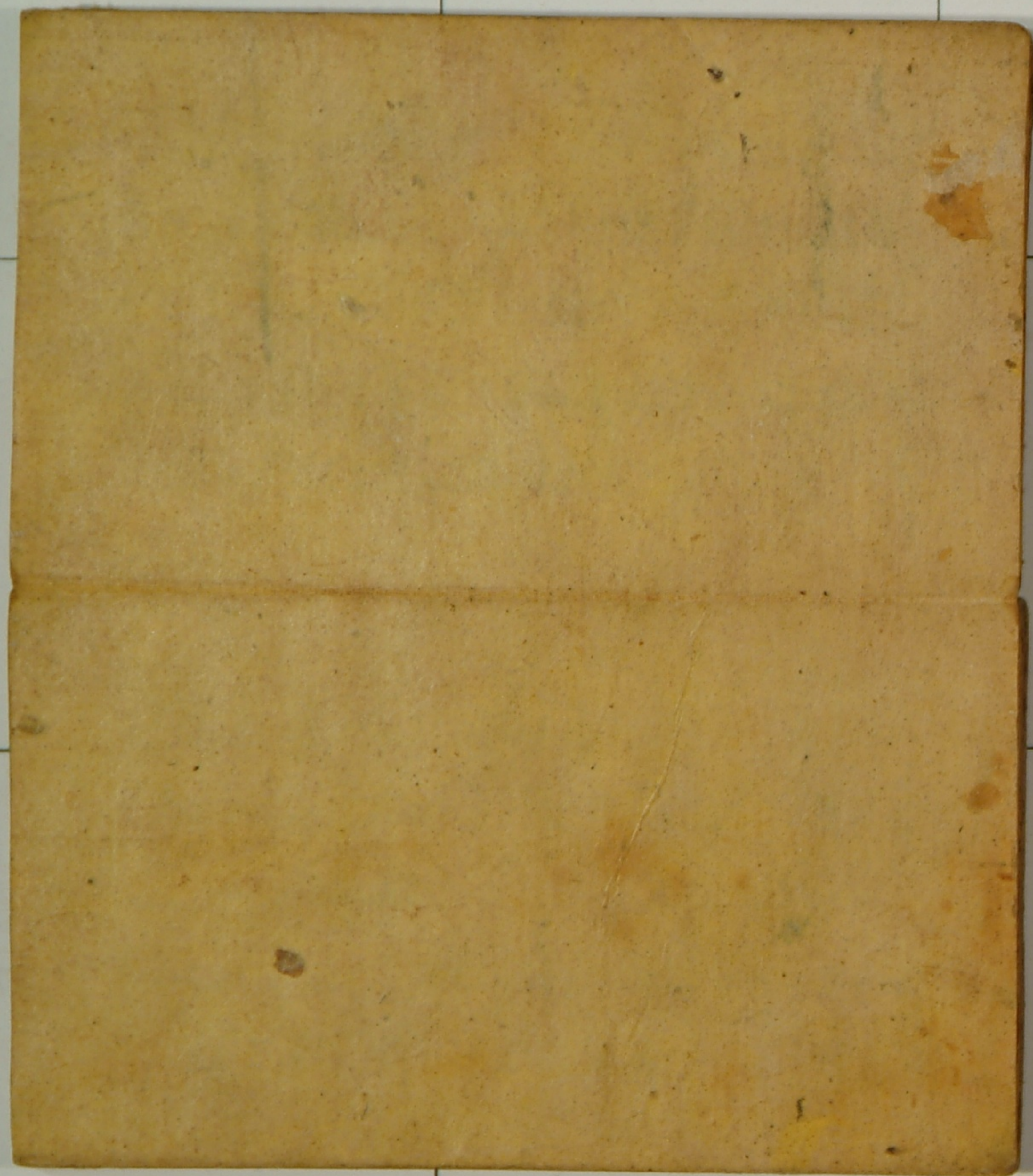
5

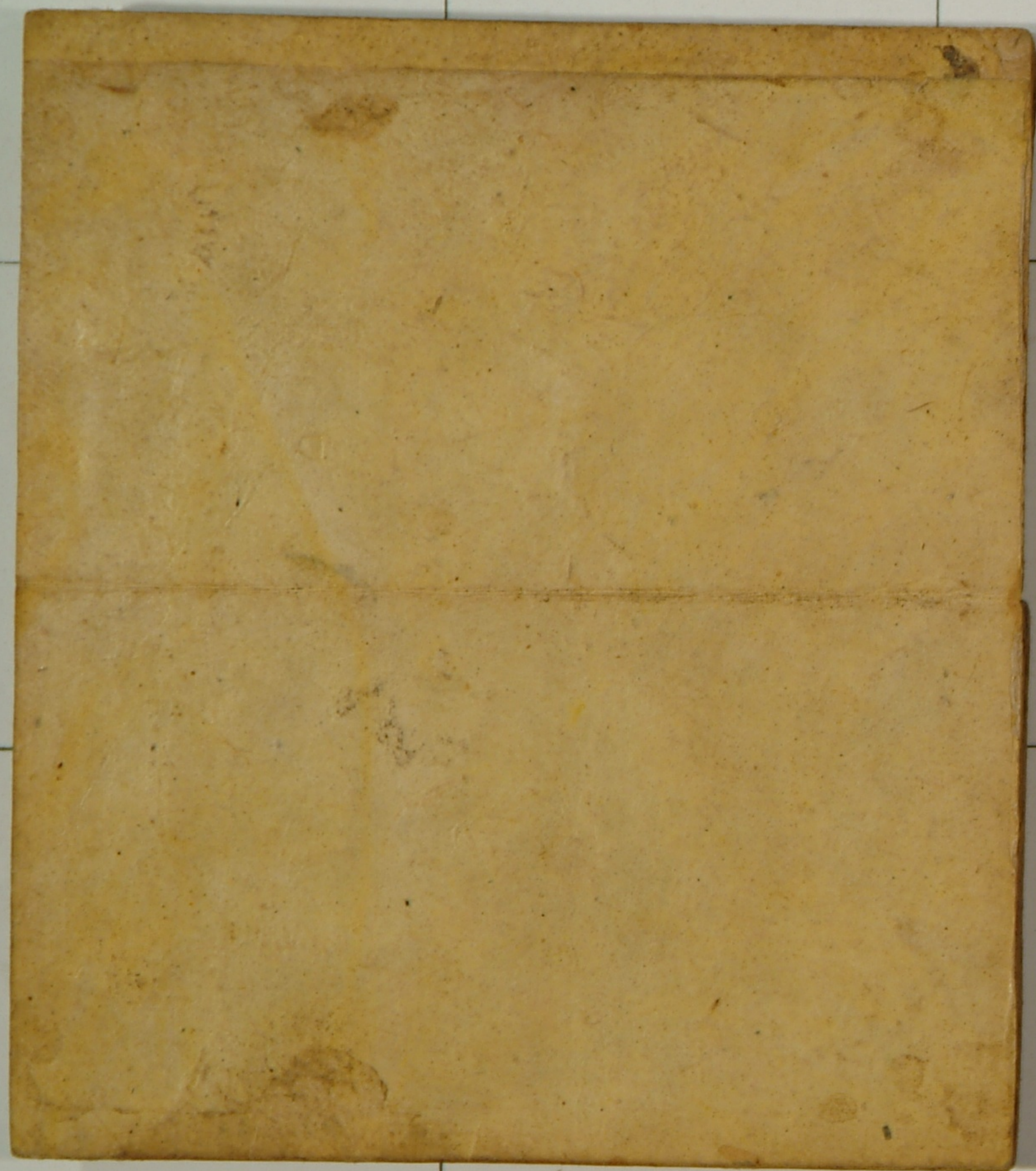
10

15

20

25





१५
१०
५
अग्निहोत्रयाय २॥ उं कौं अग्निहोत्रयाय
२॥ उं कौं अग्निहोत्रयाय २॥ उं कौं अ
ग्निहोत्रयाय २॥ उं कौं अग्निहोत्रयाय
२॥ उं कौं अग्निहोत्रयाय २॥ ॥
ऊतयाय अर्घयाय पूजा॥ आत्मपूजा

॥ नमो पूर्वदिशि ॥ नमो पूर्वदिशि ॥ दिग्युजा॥
॥ उं कौं अग्निहोत्रयाय २॥ उं कौं अ
ग्निहोत्रयाय २॥ उं कौं अग्निहोत्रयाय २॥
॥ उं कौं अग्निहोत्रयाय २॥ उं कौं अ
ग्निहोत्रयाय २॥ उं कौं अग्निहोत्रयाय २॥
॥ उं कौं अग्निहोत्रयाय २॥ उं कौं अ

वायश॥ अत्रगुहं न॥ अत्रगुहं न॥
न॥ ॥ कृष्णनयपृष्ठागिरिग॥ ॐ सुं आ
सतत्वायवक्र॥ ॥ महादीपयान
म॥ ॐ सुं विद्यानत्वायविष्णुव॥ ॥
मखस॥ ॐ सुं विद्यानत्वायवृद्धाय॥ वास

॥ अत्रगुहं न॥ अत्रगुहं न॥
दयकं, सूर्यका, निकाया, अत्रगुहं न॥
मत्रगुहं न॥ अत्रगुहं न॥
न॥ ॥ अत्रगुहं न॥ अत्रगुहं न॥
न॥ ॥ अत्रगुहं न॥ अत्रगुहं न॥

15
10
5
ॐ मववा यागिनी स्वस्ति सर्वार्थ स्वस्ति द
वाधिदवता ॥ नारिकुंडलसंरुता हाकि
दीयमनारुन ॥ यकाहायनमैतज्ज्ञानवि
ज्ञानदायक ॥ ॥ महादीययूजा ॥
वक्रिन्वयाय विद्महे वेष्मनाय धीमहि

तन्नावक्रियवाद्ययाग ॥ यत सिन्धुन
ऊर्जस्वान ॥ ॥ पूजा ॥ ॐ नमो भद्रावा
नीश ॥ ॐ नमो भूमायेश ॥ ॐ नमो कविलायेश ॥ ॐ
नमो विष्णुर्गिरिनमः ॥ ॐ नमो नानायायेश
ॐ नमो कविलायेश ॥ ॐ नमो कवीयेश ॥ नमो

ॐ अर्चिषाय श ॥ ॥ पूर्वोदि ० ॥ नाना
॥ ॥ ॐ नां त्रीं सुं वक्रि मूर्क्य श ॥ ३ ॥
जियां जलि ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ जां अग्निद
दयाय श ॥ षष्ठंगयुजा ॥ बलि ॥ ॥
समूहा ॥ धूपदीपजाय स्वास्तु ॥ ॐ स्वा

हा॥ १०॥ ॥ धनंति अजमान नम
हादीय धियका जगत्सर्व वाक्क्याय॥ ॥
सूर्यादय निष्कृता वत्कारं मरुत्त
नं। दद्याद्येव दुष्परीत्यर्थ॥ महादीयं प्रजा
तिर्ग॥ दीयदान मरुद्वी। जगत्कून्सून्

15
10
5
॥ श्री. ज्ञानान्धमेवमर्थलक्ष्मीसकानन्द
नै॥ ॥ यजमानस्य पूर्वर्णकलिनपीपी
शुभम्कदवता ॐ महादीयसंयदरु॥
जननदाननयथाशास्त्राकरुलयापिनमु
॥ ॥ धनधनदाता. यद्युत्तर्यन. स्वानक

काय. बालिविसर्जन॥ ॥ ॐ निमहादी
यविधि॥ ॥ बुद्धकरीययाद्यनि ३२ वे
ग्या. सुद्धयाद्यनि २१ ॥ वात्रजगामाति
कमुनकपूत्रगीखधुअगूत. सुगुल. पंचन
त्र. हिनवगर्हयायमात॥

15

10

5

0

5

10

15

20

25



१५
१०
५
ययक्कायप्रययवान्नवर्लि२॥ॐत्रागा
यप्रयद्युतभादकवर्लि२॥ॐश्रूर्ययप्र
यनागकलवर्लि२॥ॐमक्कायप्रयक
वलमन्नवर्लि२॥ॐरुहाठकायप्रय
मोमभादकवर्लि२॥ॐसूर्यायप्रयसा

लियिष्ठवर्लि२॥ॐशामायप्रयमधूमा
सवर्लि२॥ॐअदिगयवित्तयिकावर्लि
२॥ॐदिगयप्रययुविकावर्लि२॥ॐआ
यायप्रयकीवर्लि२॥ॐआयवत्साय
प्रयदधिवर्लि२॥ॐसविष्टप्रयभादकम
लिवकलादनगुठयूषन-

युगवर्तिनमः॥ॐ पायनाकस्य प्रथमांश
सूनावर्ति २॥ॐ कन्दाय प्रथमांसादन
वर्ति २॥ॐ सूर्यभक्तलयालिकावर्ति
२॥ॐ ऊरुकाय प्रथमवृषिनामांशवर्ति २
ॐ विविचिक्काय प्रथमकान्तवर्ति २॥ॐ

उग्रसनाय प्रथमायसवर्ति २॥ॐ दाम
नाय प्रथमायसवर्ति २॥ॐ मेरु काला
य प्रथमायसवर्ति २॥ॐ विविचिक्काय
प्रथमायसवर्ति २॥ॐ अयाय प्रथमायस
वर्ति २॥ॐ गिरथय प्रथमायसवर्ति २॥ॐ

वैरुगस्था २ ॥ उं ह गस्था २ ॥ उं घिरुस्था २
उं ग्राकसस्था २ ॥ उं घिगवस्था २ ॥ उं गरु
स्था २ ॥ उं दिवकनिकस्था २ ॥ ॥ ॐ ति
कमनवर्लिदद्यात् ॥ ॥ भूयदीयवाप
कार्यकावयत् ॥ ॥ सर्वेषांकावनद

द्विष्णु ॥ वाक्कलमययस्विनीगर्भदद्या
त् ॥ ॥ न्यासलिकाय ॥ वलिविसर्ज्जन
॥ ॥ ध्वदकाहोया ॥ नदीसूयक
द्युयमाल ॥ ॥ धनवास्तुवलिविधि ॥
॥ ॥ सुश्रुसाद्विधाय ॥ ॥

२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
१३	१२	२१		२		१४	३	३१
१२	२०	१३				१	१५	३२
११								३३
५०	५			३५			३	३४
४२								३९
३६	१२	११				२	१३	३३
४१	१०	१६		४		११	६	३१
४३	४५	४४	४३	४२	४१	४०	३२	३६

एकाशीवासुवसिविधानः॥

ॐ श्री लनादि कथनं आदितिवि य ॥ घृ
तादुर्तिव ॥ ॥ ॐ श्री लनाय स्वाहा ॥
ॐ अरि त्वा गूलन ति ॥ ॐ य र्य ल्प य २ ॥ ॐ
मार्हा ॐ डा ज व सा य र्य ल्प यृही मां ॥ २ व
॥ सा मे र्व स स्य वा म ल ॥ ॐ ज या य २ ॥ ॐ

मर्माणि ॥ ॐ डा य २ ॥ ॐ आ न ॐ डा
हि ॥ ॐ स त्वा य २ ॥ ॐ क त्वा स त्वा ॥ ॐ रु ण
य २ ॥ ॐ आ रुं णि ल्प ना ॥ यामा क्ता य २ ॥ ॐ
यू क न म न सा यू र्वा दि ध न ॥ ॥ ॐ अ
न य ॥ ॐ अग्नि दूर्त ॥ ॐ यू वा य २ ॥ ॐ न मी

ॐ अर्त॥ ॐ वितथाय २॥ ॐ यथयविग्रमा॥
ॐ जंगमाय २॥ ॐ अग्निमूर्ध्नि॥ ॐ यमाय २॥
ॐ यमनदहं॥ ॐ गन्धर्वाय २॥ ॐ वसुधाम
॥ ॐ रुगनाय २॥ ॐ यरुताता॥ ॐ मृग
य २॥ ॐ ॐ ममगांग॥ दक्षिणस॥ ॥

ॐ मेजलाय २॥ ॐ यरुदयी॥ ॐ नन्दिन २॥
॥ ॐ नाहिर्मविलं॥ ॐ सुग्रीवाय २॥ ॐ याम
वूड॥ ॐ यथयकाय २॥ ॐ नमामगलया
॥ वरुणाय २॥ ॐ ॐ मम॥ ॐ शुक्लाय २॥ ॐ
अनायवि॥ कनक २॥ ॐ कर्तृकर्त्री॥ एनेश

15
10
5
नाय २॥ ॐ सन्नायवी ॥ धनय धिमा ॥
ॐ वायव २॥ ॐ नववाय ॥ नागयनम ॥
ॐ आ ॐ मवा ॥ वरुस्यनय २॥ ॐ धामनु
दग्नि ॥ यद्वाय २॥ ॐ कविर्द ॥ सामाय २
ॐ गुर्कलागुक्रम ॥ विगय २॥ ॐ धामधगाय

॥ ॐ दिनय २॥ ॐ वदार्दमर्ग ॥ अदिनय २
॥ ॐ अदिनिद्यो ॥ धनउरुवस ॥ ॥ ॐ
आयाय २॥ ॐ अयवमृग ॥ आयवत्साय २
ॐ धामालयी ॥ धन ॐ शीततस ॥ ॥ मवि
वय २॥ ॐ सयसमय ॥ पूर्वध ॥ ॥ सवि

१२॥ॐ आनंजलि ॥ सावित्री २॥ ॐ श्री
मथनान्नयस ॥ ॥ विवस्वत २॥ ॐ दे
वावधर्क ॥ दक्षिणस ॥ ॥ ॐ न्याय २॥
ॐ ॐ दं विष्णु ॥ ॐ नृजवाय २॥ ॐ अथवा
व ॥ नैमयाधस ॥ ॥ मित्राय २॥ ॐ विज

दवासा ॥ यष्टिमाधस ॥ ॥ नृदाय २॥ ॐ
नमस्कृत ॥ नृदासाय २॥ ॐ मानसाक
॥ धनवायवाधस ॥ ॥ महीधवाय २॥ ॐ
नमिषस ॥ धनउरुवाट ॥ ॥ वक्रल २॥
ॐ वक्रयहानं धनमधमस ॥ ॥ नतावा

15
10
5
मुवाक्यूजथ७॥ॐसिॐकसि॥वनके२
॥ॐपृषदम्॥विद्यार्थ२॥ॐआत्मयस्त्राहा
॥पूतनाथे२॥ॐनमः११गव॥यायनाकस
२॥ॐअथवा॥धनं०११भनादि॥
॥
कन्दाय२॥ॐनमः११कवायव॥अथम

नमः१॥ॐआमकूड॥ऊँरकाय२॥ॐसधा
जाना॥धिलियिकुथे२॥ॐवाममद्य॥धन
पूर्वादि॥
॥

15

10

5

0

5

10

15

20

25

